ओ३म्
BCM
ज्ञान • स्वाभिमान • कल्याण

BCM SCHOOL, CHANDIGARH ROAD, LUDHIANA

A Senior Secondary school of BCM Foundation
Affiliated to CBSE, New Delhi
Sec-32A, Chandigarh road, Ludhiana

www.bcmschools.org *Rotate in values, Ready for the future* 04 January 2026

Campus Connect

AUSPICIOUS BEGINNING TO THE NEW YEAR WITH HAWAN CEREMONY

To mark the beginning of the new year and to carry forward the rich legacy of the institution, BCM School organised a serene and auspicious Hawan ceremony on the very first day of school. The sacred ritual symbolised humility, positivity and collective prayers for a successful and harmonious year ahead.

The ceremony was graced by the presence of the Principal, Mr. D. P. Guleria, Vice Principal, Ms. Manju Bhatti, and Headmistress, Ms. Ritu Syal, along with all Wing Coordinators and staff members. Their participation reflected unity in purpose and a shared commitment towards nurturing an enriching academic environment.

Adding spiritual depth and soulful warmth to the occasion, the Music Department enthralled everyone with melodious bhajans and choir renditions, creating an atmosphere of peace and devotion.

Campus Connect

A special mention is due to Mr. Krishna, Mr. Asees, and Ms. Jyoti Mishra for their commendable efforts in making the musical presentation a truly uplifting experience.

The ceremony concluded with a warm welcome extended to all staff members by the Principal, Vice Principal and Wing Coordinators, setting a positive tone for the year ahead. The Hawan served as a gentle reminder of the school's values—faith, gratitude and togetherness—ushering in the new session with hope and renewed enthusiasm

रिच और आम आदमी की वेकेशंस का सच

हिना बेदी
(पीजीटी फाइन आर्ट्स)

रिच आदमी की वेकेशंस सिर्फ भारत के ही नहीं, बल्कि दूसरे देशों के महंगे-महंगे टूर पैकेजों पर आलीशान होटलों में घूमना, नाचना-गाना, किटी पार्टियाँ करना, हिल स्टेशनों पर वीकेंड मनाना, क्रिसमस-न्यू ईयर की शाम पार्टियों में जमकर एन्जॉय करना, ज़िंदगी के कीमती पलों को माँ-बाप के पैसों के नशे में और उम्र से आगे, महँगी गाड़ियों का रौब झाड़कर सड़कों पर उतर आना, सरकार के बनाए नियमों को ठेंगा दिखाना, हाथ में महंगे मोबाइल और पैरों में ब्रांडेड कपड़े पहनना—यही अपनी स्टाइल समझते हैं। आज के ज़ेन-ज़ी बच्चे हैं, जो मौज-मस्ती के नाम पर माँ-बाप के संस्कारों और घर की इज़्ज़त की भी धज्जियाँ उड़ा देते हैं।

वहीं आम आदमी ठिठुरती सर्दी हो या तपती गर्मी, कहीं घूमने जाने से पहले अपने घर-परिवार की ज़रूरतें पूरी करता है। बूढ़े माँ-बाप की दवाइयाँ, घर का राशन, किराया-बिजली, बच्चों की स्कूल और ट्यूशन फीस—ऊपर से गैस सिलेंडर का खत्म होना। खुद एक स्वेटर में रहकर बच्चों को स्वेटर, टोपी, जैकेट दिलाना। मन को मारकर बच्चों को नानी के घर भेजना, ताकि साल-भर की थकान कुछ कम हो सके।

जब ज़्यादा दीपावली या साल के प्रोग्राम देखकर अगर दिल थोड़ा मचल भी जाए, तो पूरे परिवार के साथ घर बैठकर साग, मेथी, मटर छीलना, कपड़े सुखाना, बच्चों को होमवर्क कराना, घर के बने मक्कखन-लस्सी के साथ कभी आलू, कभी गोभी और कभी मूली के रोज़ पराठे खाना, घर की साफ-सफाई करना और गली में बच्चों के साथ क्रिकेट खेल लेना—यही हैं आम आदमी की असली छुट्टियाँ।

Editor & Coordinator: Ms. Sanskriti Verma (PGT Mass Media)